दैनिक

न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, शुक्रवार 10 सितंबर 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-03, अंक- 341

महत्वपूर्ण एवं खास

राज्यसभा की छह सीटों पर 4 अक्टूबर को होंगे उपचुनाव

नई दिल्ली (आरएनएस)। चुनाव आयोग ने राज्यसभा की खाली पड़ी 7 सीटों पर चुनाव कराने की तारीख का एलान कर दिया है। 4 अक्टूबर को राज्यसभा की खाली पड़ी सीटों पर चुनाव होगा। तमिलनाडु की दो सीट पुदुचेरी, असम, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और बंगाल की 1-1 सीट पर चुनाव होगा। इसके साथ ही चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा परिषद की खाली पड़ी सीट पर इसी तारीख को चुनाव कराने का फैसला किया है। चुनाव आयोग के मुताबिक, तमिलनाडु से राज्यसभा की सीट इस साल 7 मई 2021 को आईएडीएमके नेता केपी मुनुसामी के इस्तीफे की वजह से खाली हुई थी। इनका कार्यकाल 2026 तक था। इसके अलावा, तमिलनाडु से ही आर. वैथीलिंगम के इस्तीफे से राज्यसभा की एक सीट खाली हुई है, जिनका कार्यकाल 2022 तक था। पश्चिम बंगाल से 6 मई 2021 को मानस रंजन भूनिया के इस्तीफे से एक सीट खाली हुई है। मानस भुनिया अब ममता सरकार में मंत्री हैं। इसके अलावा असम में भी बिस्जित डमरे के इस्तीफे के बाद एक सीट खाली हुई है।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था और सीमा पर चौकस भारत

नई दिल्ली (आरएनएस)। अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान की वापसी के बाद वैश्विक स्तर पर स्थितियां तेजी से बदल रही हैं। विशेषज्ञों की ओर से आतंकवाद बढ़ने के संकेत दिए जा रहे हैं। यही वहीं देश की खुफिया एजेंसियां भी लगातार इस बारे में अलर्ट जारी कर रही हैं। सरकार भी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को सुरक्षा स्थितियों की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा और सीमा तैयारियों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई।

पाकिस्तान में 84 और कोरोना मरीजों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के संक्रमण से 84 और मरीजों की मौत हो गयी। नेशनल कमांड एंड ऑपरेशन सेंटर के आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में 63,161 स्वैब नमूनों की जांच की गयी जिसमें 4062 लोगों की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आयी, जिसके साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा 11 लाख 94 हजार 198 हो गया है। वहीं इस बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 26,497 हो गयी है। यहां अब तक 10 लाख 76 हजार 112 लोग कोरोनामुक्त हो चुके हैं तथा अभी 91,589 बक्रिय मामले हैं। पाकिस्तान में अब तक छह करोड़ 45 लाख 54 हजार 859 लोगों को कोविड-19 वैक्सीन के डोज दिये गये हैं।

नॉर्थ मेसेडोनिया में बड़ा हादसा : कोविड अस्पताल में आग लगने से 10 लोगों की मौत

स्कोप्जे। यूरोपीय देश उत्तर मैसेडोनिया में कोविड-19 के एक अस्थायी अस्पताल में आग लगने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य झुलस गए। पुलिस और जन स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आग बीती देर रात पश्चिमी शहर टेटोवो में लगी, जहां कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ने के बाद यह अस्पताल खोला गया था। बुधवार को आग पश्चिमी शहर तेतोवो में लगी जहां पर कोविड के मामलों में तेजी से इजाफा हुआ है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक घायल मेडिकल स्टाफ और मरीजों को निकालकर राजधानी स्कोप्जे के दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट किया जा रहा है। यह अस्पताल स्कोप्जे से करीब 45 किलोमीटर दूर है। अभी तक आग लगने की वजहों का पता नहीं चल सकता है लेकिन यहां के प्रधानमंत्री जोरान जाएव ने एक फेसबुक पोस्ट पर कहा है कि ब्लास्ट के बाद आग लगी थी। यहां की स्थानीय मीडिया में जो तस्वीरें आ रही है उसमें नजर आ रहा है कि अस्पताल में आग की बड़ी-बड़ी लपटें उठ रही हैं। कुछ घंटे बाद यहां पर दमकल की गाड़ियां पहुंचती हैं। जिस समय आग लगी उस समय अस्पताल में कितने मरीज थे इस बारे में भी कोई जानकारी नहीं है। आग स्थानीय समयानुसार रात 9 बजे लगी है। अगस्त माह के मध्य से ही नॉर्थ मेसेडोनिया में कोराना वायरस के केसेज तेजी से बढ़ रहे हैं।

डेढ़ साल की बजाय 15 दिन में बन जाएगी सेना के लिए हवाई पट्टी

» **हरक्यूलिस से हाईवे पर उतरने के बाद बोले नितिन गडकरी**

» **नेशनल हाईवे पर पहली बार सुखोई की लैंडिंग**

नई दिल्ली (आरएनएस)। राजस्थान में पाकिस्तान से लगती सीमा से महज 40 किलोमीटर की दूरी पर राष्ट्रीय राजमार्ग 225 पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने हरक्यूलिस विमान से उतरकर इतिहास रच दिया। दोनों केंद्रीय मंत्रियों के साथ इंडियन एयर फोर्स के चीफ आरकेएस भदौरिया भी शामिल थे। सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण एनएचआईए ने किया है। इसके तहत बाकासर गांव के समीप 39.95 करोड़ रूपये की लागत से एयर स्ट्राइक बनाई गई है। केंद्रीय मंत्रियों ने दिल्ली से उड़ान भरी थी तथा जालोर जिले में अड़गांव में बनी आपात हाईवे पट्टी पर उतरे।

आपात लैंडिंग की सुविधा के लिए यह हवाई पट्टी बनाई गई है। इस पर आज सुखोई और जगुआर विमानों ने टच डाउन किया। एक सुखोई विमान को हवाई पट्टी पर पार्क भी किया गया। आसमान पर हरक्यूलिस, जगुआर एवं सुखोई विमान की गड़गड़ाहट के बीच रक्षामंत्री ने तालियां बजाकर खुशी जाहिर की। यह पहला मौका था, जब देश में हरक्यूलिस, सुखोई जैसे विमान हाईवे पर गरजे। इमरजेंसी लैंडिंग के लिए बनी हवाई पट्टी को रणनीतिक लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। पाकिस्तान से चंद किलोमीटर की दूरी पर स्थित इससे आपातकाल में सैन्य ऑपरेशन चलाने में सुविधा मिल सकेगी।

इस मौके पर नितिन गडकरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हम देश कई और जगहों पर इस तरह की हवाई पट्टी बनाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि अभी दिल्ली से आते हुए वायुसेना चीफ ने कहा कि हमें सैन्य हवाई पट्टी में डेढ़ साल तक का

वक्त लगता है। इस पर मैंने कहा कि हम आपके लिए सिर्फ 15 दिनों में ऐसा काम कर सकते हैं। नितिन गडकरी ने कहा कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने लगातार तेजी से काम करते हुए कई विश्व रिकॉर्ड भी बनाए हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि हम लोग प्रतिदिन 2 किलोमीटर सड़क बनाने तक आए थे। कोरोना के बावजूद भी हमने प्रतिदिन 38 किलोमीटर सड़क बनाया है जो दुनिया में सबसे ज्यादा है। मुंबई और दिल्ली के बीच हमलोग एक्सप्रेस हाईवे बना रहे हैं जिसका 60-65 प्रतिशत काम पूरा हुआ है।

आपदा में मदद पहुंचाना अब होगा आसान : राजनाथ- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा सेना की ऑपरेशनल क्षमता को बढ़ाने के लिए देश में कई स्थानों पर इस प्रकार की इमर्जेंसी लैंडिंग फील्ड का निर्माण किया जा रहा है। इससे प्राकृतिक आपदा की घड़ी में जनता को जल्द से जल्द राहत पहुंचाने में भी मदद मिलेगी।

इस लैंडिंग पट्टी की खासियतें- इस परियोजना में आपातकालीन लैंडिंग पट्टी के अलावा कुंदनपुरा, सिंघानिया और बाखासर गांवों में वायु सेना/भारतीय सेना की आवश्यकताओं के अनुसार तीन हेलीपैड (प्रत्येक का आकार 100×30 मीटर) का निर्माण किया गया है, जो पश्चिमी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भारतीय सेना और सुरक्षा नेटवर्क के सुदृढ़ीकरण का आधार होगा। ईएलएफ का निर्माण 19 महीने के अंदर पूरा किया गया है। इसका निर्माण कार्य जुलाई 2019 में शुरू किया गया था और जनवरी 2021 में यह सम्पन्न हो गया। आईएएफ और एनएचएआई की देखरेख में जीएचवी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने इसका निर्माण किया है।

भारतमाला प्रोजेक्ट का है हिस्सा- यह पट्टी भारतमाला परियोजना के तहत गगरिया-बखासर और सट्टा-गंधव खंड के नव विकसित टू-लेन पेव्ड शोल्डर का हिस्सा है, जिसकी कुल लंबाई 196.97 किलोमीटर है और इसकी लागत 765.52 करोड़ रुपये है। पेव्ड शोल्डर उस भाग को कहा जाता है, जो राजमार्ग के उस हिस्से के पास हो जहां से वाहन नियमित रूप से गुजरते हैं।

इससे पहले एक्सप्रेसवे पर हुई थी मॉक लैंडिंग- एक आधिकारिक बयान के अनुसार, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने भारतीय वायु सेना के लिए आपातकालीन स्थिति में विमान उतारने के वास्ते एनएच-925ए के सट्टा-गंधव खंड के तीन किलोमीटर के हिस्से पर इस आपातकालीन पट्टी का निर्माण किया है। इससे पहले अक्टूबर 2017 में, भारतीय वायुसेना के लड़ाकू एवं परिवहन विमानों ने लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर मॉक लैंडिंग की थी ताकि यह दिखाया जा सके कि ऐसे राजमार्गों का उपयोग वायुसेना के विमानों द्वारा आपात स्थिति में उतरने के लिए किया जा सकता है।

देश में चार नए हवाईअड्डों की स्थापना की तैयारी में केंद्र

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार जल्द ही देश में चार नए हवाईअड्डों की आधारशिला रखने की तैयारी में है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने गुरुवार को देश के नागरिक उड्डयन क्षेत्र के लिए 100-दिवसीय योजना की घोषणा की। इसमें नीतिगत उपाय और हवाई अड्डों के विकास के साथ-साथ हेलीपोर्ट भी शामिल हैं।

नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा कि योजना 16 क्षेत्रों पर केंद्रित होगी। इनमें से 8 नीति से और 4 सुधारों से संबंधित हैं। उन्होंने एक प्रेस कांफ्रेंस संबोधित करते हुए कहा कि हमने मंत्रालय के लिए 100 दिन की योजना बनाई है, जिसके आधार पर हम हितधारकों के प्रति पारदर्शिता के साथ जवाबदेही रख पाएं। इस 100 दिन के लक्ष्य में हमने 3 मुख्य लक्ष्य रखे हैं, पहला अधोसंरचना, दूसरा नीति के लक्ष्य और तीसरा लक्ष्य सुधार है। सिंधिया ने कहा कि अधोसंरचना में हम चार नए हवाईअड्डों की आधारशिला रखने जा रहे हैं। पहला हवाईअड्डा उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में 255 करोड़ रुपये का होगा। यहां एयरबस 321 और बोइंग 737 उड़ानों की सफल लैंडिंग हो सकेगी। कुशीनगर बौद्ध सर्किट का केंद्र बिंदु बनेगा। उत्तराखंड के देहरादून एयरपोर्ट में 457 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है।यहां एक नया टर्मिनल भवन बनेगा। इस निवेश के बाद टर्मिनल भवन वर्तमान में 250 यात्रियों के मुकाबले 1800 यात्रियों को संभाल सकेगा। त्रिपुरा में अगरतला एयरपोर्ट में 490 करोड़ का निवेश होगा। वर्तमान में, इसमें प्रति घंटे 500 यात्री आते जाते हैं। इस निवेश के बाद यह क्षमता बढ़कर 1200 यात्री प्रति घंटे हो जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने किया भारतीय पैरालम्पिक दल को सम्मानित

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के पैरालम्पिक दल को अपने आवास पर गुरुवार को सुबह के नाश्ते पर बुलाकर सम्मानित किया और खिलाड़ियों ने उन्हें अपने हस्ताक्षर वाला एक स्टोल भेंट किया।

भारतीय पैरा एथलीट पांच स्वर्ण, आठ रजत और छह कांस्य समेत 19 पदक जीतकर तोक्यो से लौटे जो अब तक खेलों में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारत पदक तालिका में 24वें स्थान पर रहा। सभी पदक विजेताओं ने अपने हस्ताक्षर वाला सफेद स्टोल प्रधानमंत्री को भेंट किया जो उन्होंने

गले में पहन रखा था। पैरा एथलीटों को पदक जीतने के बाद सबसे पहले फोन पर बधाई देने वाले मोदी बैडमिंटन खिलाड़ियों रजत पदक विजेता नोएडा के जिला मजिस्ट्रेट सुहास यथिराज, स्वर्ण पदक विजेता कृष्णा नागर और युवा पलक कोहली से बात करते दिखे। पैरालम्पिक में पहली बार शामिल किये गए बैडमिंटन में भारतीयों ने चार पदक जीते जिनमें दो स्वर्ण भी थे। निशानेबाज अवनि लेखरा और सिंहराज अडाना भी प्रधानमंत्री से बात करते दिखे। दोनों ने दो दो पदक जीते हैं। एक हादसे के बाद कमर के नीचे के हिस्से के लकवाग्रस्त होने के बावजूद लेखरा ने पैरालम्पिक में एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा। वहीं बचपन में पोलियो के शिकार 39 वर्ष के अडाना ने एक रजत और एक कांस्य अपने नाम किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अनुभवी भालाफेंक खिलाड़ी देवेंद्र झाझड़िया और ऊंची कूद के खिलाड़ी मरियप्पन थंगावेलु से भी बात की। दोनों ने रजत पदक जीता। टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल और तीरंदाज हरविंदर सिंह भी तस्वीरों में नजर आये। पटेल ने रजत और सिंह ने कांस्य पदक जीता है।

रेल मंत्री ने स्वदेश में डिजाइन की हुई और निर्मित फुल-स्पैन लॉन्चिंग मशीन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

नई दिल्ली (आरएनएस)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्वदेश में ही डिजाइन की हुई और निर्मित फुल-स्पैन लॉन्चिंग इक्विपमेंट-स्ट्रेडल कैरियर तथा गर्डर ट्रांसपोर्टर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन मशीनों से मुम्बई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल गलियारे में मेहराबदार ढांचे के निर्माण में तेजी आयेगी। मंत्री महोदय ने आज मियां मोतो शिंगो, मंत्री, जापान दूतावास, सुनीत शर्मा, अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड, सतीश अग्निहोत्री, प्रबंध निदेशक, एनएचएसआरसीएल एवं एल एंड टी के एस एन सुब्रह्मण्यम, कार्यकारी निदेशक, लार्सन एवं टूब्रो की उपस्थिति में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये इसका शुभारंभ किया।

उपस्थित लोगों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुये रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री के विजन के तहत भारतीय रेलवे को देश के समावेशी विकास का इंजन बनाने के लिये संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि आज भारतीय रेलवे एक नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है जिसमें आम जन की भावना समाहित हैं। आज इक्कीसवीं सदी में भविष्य को दृष्टि में रखकर योजनाएं बनाने और उन्हें धरातल पर कार्यान्वित करने की जरूरत है। आज का समारोह उसी नए भारत की तरफ कदम बढ़ने का एक उदाहरण है।

उल्लेखनीय है कि मुम्बई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल परियोजना (एमएएचएसआर) के 508 किलोमीटर लंबे मेहराबदार निर्माण के लिये उत्कृष्ट प्रणाली इस्तेमाल की जा रही है। इस निर्माण में फुल-स्पैन लॉन्चिंग प्रणाली (एफएसएलएम) का उपयोग किया जा रहा है। इस प्रौद्योगिकी के जरिये पहले से तैयार पूरी लंबाई वाले गर्डरों को खड़ा किया जाता है, जो बिना जोड़ के पूरे आकार में बने होते हैं। इन्हें दोहरे मेहराबदार ट्रैक के लिये इस्तेमाल किया जाता है। इसकी मदद से निर्माण कार्य में तेजी आती है। एफएसएलएम को दुनिया भर में इस्तेमाल करते हैं, जहां मेट्रो प्रणाली के लिये मेहराबदार निर्माण में इससे मदद मिलती है। ऐसी मशीनों के डिजाइन बनाने और उनका निर्माण करने में अब भारत भी इटली, नार्वे, कोरिया और चीन जैसे देशों के समूह में शामिल हो गया है।

ई-श्रम पोर्टल के शुभारंभ के बाद से अब तक 27 लाख से अधिक असंगठित श्रमिकों ने कराया पंजीकरण

नई दिल्ली (आरएनएस)। श्रम कल्याण एवं रोजगार मंत्रालय ई-श्रम पोर्टल पर असंगठित श्रमिकों के पंजीकरण के लिए विभिन्न शिविरों का आयोजन कर रहा है। ऐसे ही एक शिविर का आयोजन आज नई दिल्ली के श्रम शक्ति भवन में स्थित विभिन्न मंत्रालयों में कार्यरत असंगठित श्रमिकों के पंजीकरण के लिए किया गया। इस शिविर में आज 80 से अधिक श्रमिकों के पोर्टल पर पंजीकृत होने की संभावना है। शिविर का उद्घाटन करते हुए श्रम एवं रोजगार तथा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री रामेश्वर तेली ने सभी से पोर्टल का प्रचार-प्रसार करने और पोर्टल पर पंजीकरण कराने वाले उन श्रमिकों को होने वाले लाभों के बारे में बताने को कहा। तेली ने कहा कि सभी असंगठित कामगारों का एक राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करने से सरकार को ऐसे श्रमिकों के लिए कल्याणकारी योजनाओं के लाभ पहुंचाने और अंतिम छोर तक इसके वितरण पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी। पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश के तहत शुरू किए गए ई-श्रम को परिवर्तनकारी पोर्टल करार देते हुए तेली ने बताया कि अब तक 27 लाख से अधिक असंगठित कामगारों ने इस पर अपना पंजीकरण कराया है और भारत सरकार पोर्टल पर श्रमिकों को पंजीकृत करने के लिए सभी राज्य सरकारों तथा अन्य हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रही है।

उपराष्ट्रपति ने 2024 के पेरिस ओलंपिक्स में भारत की पदक संख्या दोगुनी करने का आह्वान किया

नई दिल्ली (आरएनएस)। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने आज टोक्यो ओलंपिक्स में हमारे खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की और उन्होंने 2024 के पेरिस ओलंपिक्स में भारत की पदकों की संख्या दोगुनी करने का आह्वान किया। उन्होंने निजी क्षेत्र सहित सभी हितधारकों से आग्रह किया कि वे हमारे युवा और उदीयमान एथलीटों के लिये आमूल समर्थन प्रणाली तैयार करें।

एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के तिरुचिरापल्ली परिसर का चेन्नई राज भवन से वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन करते हुये उपराष्ट्रपति ने कहा कि टोक्यो ओलंपिक्स और पैरालिम्पिक्स में भारत के शानदार प्रदर्शन से हमारे देशवासियों की छाती गर्व से चौड़ी हो गई है।

हमारे पैरालिम्पियनों की दृढ़ता और साहस की सराहना करते हुये उन्होंने कहा कि उनके अनुकरणीय प्रदर्शन से न सिर्फ दिव्यांगता के प्रति लोगों के नजरिये में बदलाव आया है, बल्कि भारत के एक बड़ी खेल महाशक्ति के रूप में उभरने की उम्मीद भी जगी है। याद रहे कि पैरालिम्पिक्स में भारत के एथलीटों ने रिकॉर्ड 19 पदक हासिल किये हैं। उन्होंने कहा, हमारे यहां कई अवनि लेखरा और नीरज चोपड़ा हैं, जो उड़ान भरने के लिये तैयार है और अगर उन्हें हम एक सक्षम ईको-सिस्टम तैयार कर लिया जाये, तो उनकी प्रतिभा को कामयाबी के साथ तराशा जा सकता है। उन्होंने शैक्षिक संस्थानों से अपील की

कि वे इस दिशा में पहल करें। उन्होंने विश्वविद्यालयों को सुझाव दिया कि उन्हें कबड्डी और खो-खो जैसे पारंपरिक भारतीय खेलों में नई जान फूंकनी चाहिये तथा उन्हें बढ़ावा देना चाहिये।

नये उभरते और आकांक्षाओं से भरपूर भारत की रचना करने के लिये बेहतर शिक्षा के महत्त्व को रेखांकित करते हुये उपराष्ट्रपति ने आह्वान किया कि हमारे विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से निकलने वाले छात्रों के लिये रोजगार के अवसर बढ़ाये जायें। इस सिलसिले में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अकादमिक जगत और उद्योग के बीच संपर्क बनाया जाये तथा उद्योग के लिये आवश्यक कौशल विकास पर ध्यान दिया जाये।

तेजी से बदलती दुनिया में भावनात्मक और सामाजिक कुशलता की जरूरत पर बल देते हुये नायडू ने छात्रों से कहा कि वे जीवन के प्रति सकारात्मक नजरिया विकसित करें तथा राष्ट्र-निर्माण जैसे बड़े उद्देश्य में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा, लोगों, समाज और बड़े रूप में पूरे राष्ट्र की भलाई के लिये लगातार अपनी शिक्षा का उपयोग करते रहें।

तक्षशिला और नालन्दा जैसे संस्थानों के समृद्ध और शानदार शैक्षिक इतिहास का उल्लेख करते हुये उन्होंने भारत के गौरवशाली अतीत को याद किया और कहा कि भारत को फिर से विश्वगुरु बनाया जाना चाहिये। उन्होंने कहा, सरकार के प्रयासों को बढ़ाने में निजी क्षेत्र की भूमिका उस समय और भी महत्वपूर्ण हो जाती है, जब शैक्षिक रूप से शक्तिसम्पन्न भारत का सपना पूरा करने का प्रश्न आता है।

प्रौद्योगिकीय प्रगति को पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को कम करने की दिशा में लगाने पर जोर देते हुये उपराष्ट्रपति ने कहा कि विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी को आम आदमी की रोज की समस्याओं का समाधान निकालना चाहिये और उसके जीवन स्तर में सुधार लाना चाहिये।

उपराष्ट्रपति ने एसआरएम ग्रुप की सराहना की कि उसने कोविड-19 के सम्बंध में क्लिनिकल परीक्षण में सरकार का सहयोग किया तथा महामारी से पीड़ित आबादी को सस्ती आवश्यक स्वास्थ्य सुविधायें प्रदान करने में मदद की। एसआरएम ग्रुप के संस्थापक डॉ. टीआर पारीवेन्धर के विजन और नेतृत्व की प्रशंसा करते हुये उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस ग्रुप का सारा ध्यान बेहतर शिक्षा पर है, जो आत्मनिर्भर भारत की स्थापना के सम्बंध में भारत सरकार के विजन के अनुरूप है।